



॥ अग्नि देव क्षमा स्तुति ॥
अग्नि देव पूजा, जो कोई नर करे
सुख संपत्ति धन धान्य से, जीवन सफल
बनावे

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ अग्नि देव क्षमा स्तुति ॥

हे पावक स्वरूप अग्नि देव,
यदि पूजा, जप, हवन या आराधना में मुझसे कोई त्रुटि हुई हो,
तो कृपा करके मुझे क्षमा करें।
मेरे मन, वचन और कर्म के सभी दोषों को जलाकर शुद्ध करें।

अपराध सहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व पावक प्रभो॥
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।
यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥
आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम्।
पूजां चैव न जानामि क्षम्यतां हव्यवाहन॥

हे अग्निदेव,
आप समस्त यज्ञों के वाहक, तेज और पवित्रता के स्वरूप हैं।
मेरे जीवन से अज्ञान, भय और नकारात्मकता को दूर करें
और सत्य, शक्ति तथा शुभता का प्रकाश प्रदान करें।
त्वमेव शुद्धिकारकः, त्वमेव तेजसां पतिः।
त्वया पवित्रितं सर्वं, नमस्ते अग्निदेवता॥

॥ ॐ अग्नये नमः ॥